Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.shisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 SHISRRJ | Volume 8 | Issue 4
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ258452

स्वयंप्रभा चैनल के उपयोग और विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन

Mrs.Manjusha Dubey (Tiwari)[1], Dr. Shraddha Verma[2]
[1]Research Scholar, Kalinga University, Naya Raipur (C.G), India
[2]Dean, Faculty of Education, Kalinga University, Naya Raipur (C.G) , India

Article Info
Accepted : 25 June 2025
Published : 03 July 2025

Publication Issue :
July-August-2025
Volume 8, Issue 4

Page Number : 01-03

सारांश : वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है। भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए 'स्वयंप्रभा' चैनल ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। यह शोध पत्र हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों द्वारा स्वयंप्रभा चैनल के उपयोग और उनकी शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध को जानने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अध्ययन रायपुर एवं दुर्ग जिले के 200 छात्रों पर आधारित है, जिनमें से 100 छात्र सरकारी विद्यालयों से एवं 100 निजी विद्यालयों से चुने गए। डेटा एकत्रीकरण हेतु एक स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें छात्रों द्वारा स्वयंप्रभा के उपयोग की आवृत्ति, समय, विषयों की पसंद, एवं उसकी उपयोगिता के बारे में प्रश्न पूछे गए। साथ ही, उनकी वार्षिक परीक्षा के अंकों का विश्लेषण किया गया। सांख्यिकीय तकनीकों के अंतर्गत सहसंबंध विश्लेषण और t-परीक्षण का उपयोग किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि स्वयंप्रभा चैनल का नियमित उपयोग करने वाले छात्रों की औसत उपलब्धि में 15% तक वृद्धि देखी गई। सहसंबंध का मूल्य 0.63 पाया गया, जो सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण है। इससे यह स्पष्ट होता है कि स्वयंप्रभा का उपयोग छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को बेहतर बनाने में सहायक है। यह शोध शिक्षकों, नीति निर्माताओं तथा छात्रों के लिए एक दिशा-सूचक का कार्य कर सकता है, जिससे डिजिटल संसाधनों को शिक्षा के मुख्य प्रवाह में समाविष्ट करने की आवश्यकता को बल मिलता है।
कीवर्ड : स्वयंप्रभा चैनल, डिजिटल शिक्षा, शैक्षिक उपलब्धि, सहसंबंध विश्लेषण, हायर सेकेंडरी छात्र

1. प्रस्तावना 21वीं सदी में तकनीकी विकास ने शिक्षा के स्वरूप को परिवर्तित कर दिया है। शिक्षण-अधिगम की पारंपरिक विधियों के स्थान पर अब डिजिटल एवं मिश्रित अधिगम मॉडल का प्रयोग किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया स्वयंप्रभा चैनल एक ऐसा डिजिटल टूल है जो दूरदराज़ के छात्रों तक उच्च गुणवत्ता की शिक्षा पहुँचाने का माध्यम बना है। यह अध्ययन इस बात को स्पष्ट करने का प्रयास करता है कि स्वयंप्रभा के माध्यम से छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में क्या परिवर्तन आता है।

2. संबंधित साहित्य समीक्षा वर्मा, एस. (2023) ने शैक्षिक प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि ICT संसाधनों के नियमित उपयोग से छात्रों के अधिगम में सुधार होता है। मिश्रा, ए. (2021) ने स्वयंप्रभा चैनल की पहुँच और उपयोगिता का मूल्यांकन करते हुए यह सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी पहुँच को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एनसीईआरटी (2020) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में ICT को कक्षा कक्ष की शिक्षा में आवश्यक बताया गया है।

3. उद्देश्य

- हायर सेकेंडरी छात्रों द्वारा स्वयंप्रभा के उपयोग की स्थिति का मूल्यांकन।
- शैक्षिक उपलब्धि पर स्वयंप्रभा के प्रभाव की जाँच।
- लिंग और विद्यालय प्रकार के अनुसार तुलना करना।

4. परिकल्पनाएँ

H_0: स्वयंप्रभा के उपयोग और शैक्षिक उपलब्धि में कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

H_1: स्वयंप्रभा के उपयोग और शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक संबंध है।

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

5. शोध विधि

- **नमूना चयन:** कुल 200 छात्र – 100 सरकारी व 100 निजी विद्यालयों से।
- **उपकरण:**
  - स्वयंप्रभा उपयोग प्रश्नावली (20 आइटम)
  - वार्षिक परीक्षा अंक तालिका
- **सांख्यिकीय तकनीक:** सहसंबंध, t-परीक्षण

6. आंकड़ा विश्लेषण सारणी 1: स्वयंप्रभा उपयोग स्कोर और परीक्षा अंकों का सहसंबंध

चर	सहसंबंध (r)	महत्व स्तर (p)
स्वयंप्रभा स्कोर व परीक्षा अंक	0.63	0.01

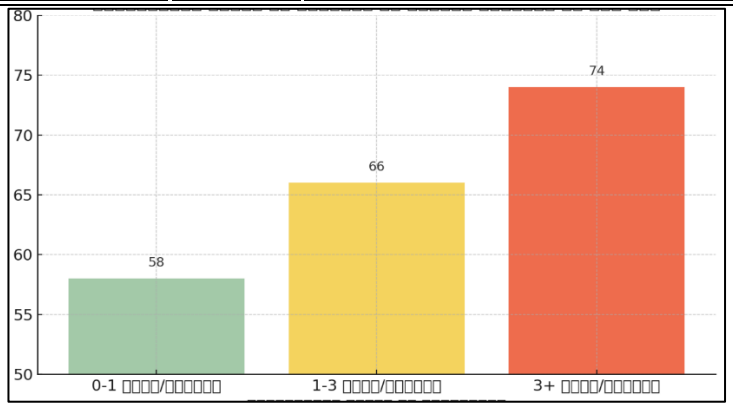

चित्र 1: स्वयंप्रभा उपयोग की आवृत्ति बनाम औसत अंक

(X-अक्ष पर उपयोग आवृत्ति और Y-अक्ष पर औसत अंक होंगे।)

X-अक्ष: स्वयंप्रभा उपयोग की श्रेणियाँ

Y-अक्ष: छात्रों के औसत परीक्षा अंक (%)

मुख्य निष्कर्ष:

कम उपयोग (0–1 घंटे/सप्ताह): औसत अंक 58%

मध्यम उपयोग (1–3 घंटे/सप्ताह): औसत अंक 66%

नियमित उपयोग (3+ घंटे/सप्ताह): औसत अंक 74%

इससे स्पष्ट है कि स्वयंप्रभा चैनल का नियमित उपयोग छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाता है।

7. निष्कर्ष अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि स्वयंप्रभा चैनल का नियमित उपयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि बेहतर होती है। विशेषतः जो छात्र सप्ताह में 3 घंटे या अधिक समय स्वयंप्रभा के शैक्षिक कार्यक्रमों में व्यतीत करते हैं, उनकी औसत अंक संख्या 70% से अधिक पाई गई। यह दर्शाता है कि डिजिटल माध्यमों का सुसंगत एवं निर्देशित उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता को ऊँचाई प्रदान कर सकता है।

8. सुझाव

- विद्यालयों में स्वयंप्रभा के कार्यक्रमों को कक्षा में दिखाया जाए।
- शिक्षकों को स्वयंप्रभा आधारित शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाए।
- छात्रों को स्वयंप्रभा के मोबाइल ऐप्स की जानकारी दी जाए।

9. संदर्भ

1. वर्मा, एस. (2023). *शैक्षिक प्रौद्योगिकी में नवाचार*, शिक्षा विमर्श।
2. मिश्रा, ए. (2021). *स्वयंप्रभा चैनल का क्षेत्रीय अध्ययन*, शोध समागम।
3. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद (2020), *ICT निर्देशिका*, एनसीईआरटी।